भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2834
10.03.2026 को उत्तर के लिए नियत

उन्नत उत्कृष्टता केंद्र

2834. **श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डीः**

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) भारतीय कैपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि संबंधी स्कीम के तहत देश भर में, विशेषकर आंध्र प्रदेश में, प्रस्तावित, स्वीकृत और वर्तमान में कार्यशील नए उन्नत उत्कृष्टता केंद्रों की सूची का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) देश भर में, विशेषरूप से आंध्र प्रदेश में, प्रस्तावित, स्वीकृत और वर्तमान में कार्यशील सामान्य इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों की सूची का राज्य-बार ब्यौरा क्या है;
(ग) देश भर में, विशेषकर आंध्र प्रदेश में, प्रस्तावित, स्वीकृत और वर्तमान में कार्यशील प्रमाणन केंद्रों की सूची का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) देश भर में, विशेषकर आंध्र प्रदेश में, प्रस्तावित, स्वीकृत और वर्तमान में कार्यशील उद्योग त्वरकों की सूची का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश भर में, विशेषकर आंध्र प्रदेश में, सरकार द्वारा स्तर-6 तक प्रशिक्षित व्यक्तियों और प्रदान किए गए योग्यता पैकेजों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है; और
(च) पिछले पांच वर्षों के दौरान उक्त स्कीम के तहत इन घटकों के लिए आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल धनराशि का राज्य-वार, और आंध्र प्रदेश के संदर्भ में घटक- वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन स्कीम- चरण-II एक अखिल भारतीय मांग-आधारित स्कीम है, जिसके तहत देश के किसी भी संघ राज्य क्षेत्र/राज्य के उद्योग भागीदार (भागीदारों) के सहयोग से परियोजना कार्यान्वयन संगठनों (पीआईओ) द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाते हैं।

इस स्कीम के तहत उन्नत उत्कृष्टता केंद्रों का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य
1.	आईआईटी, रुड़की द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना	उत्तराखंड
2.	आईआईटी, दिल्ली में उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	दिल्ली
3.	आईआईएस, बेंगलुरू द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	कर्णाटक
4.	एआरएआई, पुणे में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी बीएचयू, वाराणसी द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) की स्थापना	उत्तर प्रदेश
6.	सी'टार्क कोयंबटूर में उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	तमिलनाडु
7.	एएमटीडीसी, आईआईटी मद्रास द्वारा मौजूदा उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	तमिलनाडु

(ख): साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्रों का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य
1.	स्मार्ट फैक्ट्री, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस), बेंगलुरु में सीईएफसी का विस्तार	कर्णाटक
2.	C4i4 द्वारा कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर का विस्तार	परियोजना का मुख्य केंद्र पुणे (महाराष्ट्र) और **एक अनुभव केंद्र विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित** है।
3.	एआरएआई, पुणे में सीईएफसी की स्थापना	महाराष्ट्र
4.	बीएचईएल, त्रिची में सीईएफसी की स्थापना	तमिलनाडु

(ग): परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्रों का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	राज्य
1.	एआरएआई में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्रों का	महाराष्ट्र

	विस्तार	
2.	सीएमटीआई, बेंगलुरू में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र का विस्तार	कर्णाटक
3.	बीएचईएल में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	मध्य प्रदेश /तेलंगाना
4.	(आईएएचटी), लुधियाना में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	पंजाब
5.	इंस्टीट्यूट ऑफ़ मशीन टूल्स टेक्नोलॉजी (आईएमटीटी), बटाला में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	
6.	फ्लूइड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पालक्काड में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	केरल

(घ): उद्योग त्वरकों का राज्यवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	एआरटीपीएआरके (आईआईएस), बेंगलुरू द्वारा उद्योग त्वरक (सीएएमआरएएस) की स्थापना	कर्णाटक
2.	(एफएसआईडी), (आईआईएस), बेंगलुरू द्वारा उद्योग त्वरक (एसएएमआरआईडीएचआई) की स्थापना	
3.	सीएमटीआई द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	कर्णाटक
4.	एआरएआई, पुणे में उद्योग त्वरक की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी, मद्रास द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तमिलनाडु
6.	शास्त्र यूनिवर्सिटी, तंजावुर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
7.	पीएसजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
8.	इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तेलंगाना
9.	आईआईटी, रुड़की में उद्योग त्वरक	उत्तराखंड

(ङ): स्वीकृत अर्हता पैकेजों का राज्य-वार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए एएसडीसी द्वारा 23 अर्हता पैकजों का विकास	दिल्ली
2.	(सीजीएससी), दिल्ली द्वारा 23 अर्हता पैकजों का विकास	
3.	इंस्ट्रूमेंटेशन, ऑटोमेशन, सर्विलांस और कम्युनिकेशन सेक्टर स्किल काउंसिल (आईएएससी एसएससी) द्वारा कौशल स्तर 6 और उससे ऊपर के लिए अर्हता पैकेज का सृजन	

(च): भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन स्कीम- चरण-II का कुल वित्तीय परिव्यय 975 करोड़ रुपए के बजटीय समर्थन के साथ 1207 करोड़ रुपए है। अब तक 891.37 करोड़ रुपए की परियोजना लागत और 714.64 करोड़ रुपए के बजटीय समर्थन वाली कुल 29 परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है। स्कीम के सभी घटकों के तहत मंज़ूर की गई परियोजनाओं के लिए निधि का विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रुपए में)

वित्त वर्ष	**आवंटन (आरई)**	**जारी/उपयोग की गई निधि**
2021- 22	29.00	28.93
2022-23	199.60	199.24
2023-24	187.20	83.34
2024-25	184.00	171.63
2025-26	120.00	107.67 (03.03.2026 के अनुसार)

*****